खबर संक्षेप

पुलिस ने नाकाम की कत्लखानों वाली साजिश, 45 लाख का माल जब्त

शहडोल। बेजुबानों के खून से अपनी तिजोरियां भरने वाले तस्करों के खिलाफ सीधी थाना पुलिस ने वज्रपात किया है। कानपुर के कत्लखानों में कटने के लिए भेजे जा रहे 30 मवेशियों को पुलिस ने नर्क जैसी स्थिति से आजाद कराया। तस्करों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए इन पशुओं के सिर और पैर रस्सियों से ऐसे जकड़े थे कि वे हिल तक न सकें।

मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम ने कुदरी के पास ओदारी नदी पुल पर मोर्चा संभाला। पुलिस को देख सफेद रंग के दो आयशर ट्रकों के चालकों ने भागने की नाकाम कोशिश की, लेकिन मुस्तैद जवानों ने घेराबंदी कर उन्हें दबोच लिया। ट्रकों के भीतर का नजारा देख पुलिसकर्मी भी दंग रह गए; गंदगी के बीच तड़प रहे 25 भैंस के बच्चे और 5 भैंसें बिना हवा-पानी के मौत का इंतजार कर रहे थे।

पुलिस ने मौके से चालक अली असगर और सनी साकेत को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि ट्रक मालिक मोबिन खान और सौरभ जायसवाल के इशारे पर यह मौत का सफर शुरू हुआ था। पुलिस ने 30 लाख के वाहन और 15 लाख के मवेशी जब्त कर आरोपियों पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल, सभी बेजुबानों को सुरक्षित गौशाला भेज दिया गया है, जबकि फरार मालिकों की तलाश जारी है।

सुमन राय बनीं जनसंख्या निवारण प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष

शहडोल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपनी नवीन कार्यकारिणी में शहडोल की सक्रिय नेत्री सुमन राय पर बड़ा भरोसा जताया है। पार्टी ने उन्हें जनसंख्या निवारण प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त कर जिले को प्रदेश स्तर पर सशक्त प्रतिनिधित्व सौंपा है। पूरी सूची में शहडोल जिले से एकमात्र नाम शामिल होने के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। सुमन राय की इस नियुक्ति को आगामी चुनावों से पहले कांग्रेस की रणनीतिक घेराबंदी माना जा रहा है। लंबे समय से सामाजिक और संगठनात्मक मोर्चों पर डटी रहने वाली सुमन राय के माध्यम से पार्टी आदिवासी बहुल शहडोल संभाग में महिला और युवा वर्ग के बीच अपनी पैठ और मजबूत करेगी। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल स्थानीय कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि जिले की ज्वलंत समस्याओं की गूंज अब सीधे भोपाल तक पहुंचेगी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर समर्थकों ने इसे संगठन की जीत बताया है।

शहडोल के भविष्य को मिलेगी नई उड़ान

शहडोल। जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के पलायन को रोकने और स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए वर्षा योग एवं समाज सेवा समिति ने एक सराहनीय पहल की है। समिति के प्रतिनिधियों ने कमिश्नर और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल, सिविल के साथ-साथ आधुनिक दौर की मांग, एआई और साइबर सिक्योरिटी जैसी शाखाएं प्रारंभ करने की पुरजोर मांग की है।

समिति की अध्यक्ष वर्षा तनेजा ने बताया कि कॉलेज में सीमित संसाधनों के कारण छात्र अन्य शहरों की ओर रुख करने को मजबूर हैं। इसके अलावा, जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं के केंद्र न होने से युवाओं पर आर्थिक और मानसिक बोझ बढ़ता है। ज्ञापन में मांग की गई है कि शहडोल को परीक्षा केंद्र बनाया जाए ताकि स्थानीय युवाओं को अवसर मिल सकें। इस दौरान व्यापारी संघ अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता सहित उषा खटीक, कल्पना सोनी व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह पहल जिले के औद्योगिक और शैक्षणिक विकास में मील का पत्थर साबित हो सकती है।

कोयले से ज्यादा 'कमीशन' की चर्चा

रामपुर मेगा प्रोजेक्ट में वसूली का साम्राज्य!

तकनीकी निरीक्षक जितेंद्र पांडे के नाम पर रकम वसूली के आरोप महाप्रबंधक बी.के. जेना पर भी उठे सवाल

शहडोल। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (एसईसीएल) के सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत रामपुर मेगा प्रोजेक्ट इन दिनों कोयला उत्पादन के लिए कम और 'वसूली के साम्राज्य' के लिए ज्यादा सुर्खियों में है। जिस परियोजना को सोहागपुर की जीवनरेखा माना जाता था, उसे भ्रष्टाचार के दीमक ने खोखला करना शुरू कर दिया है। चर्चा है कि यहां जमीन के नीचे से कोयला बाद में निकलता है, पहले ऊपर बैठे अधिकारियों की जेब भरने का 'हिसाब-किताब' तय होता है।

पांडे और जेना के नाम पर प्रति टन 'कमीशन' की मलाई

परियोजना के गलियारों में सबसे ज्यादा गूंज तकनीकी निरीक्षक जितेंद्र पांडे के नाम की है। आरोप है कि यहां कोयले के हर दाने पर अवैध वसूली का पहरा है। ट्रांसपोर्टरों और डीओ धारकों के बीच यह बात आम है कि जितेंद्र पांडे के नाम पर 35 रुपये प्रति टन की खुली उगाही की जा रही है। हैरत की बात तो यह है कि भ्रष्टाचार की यह कड़ियाँ ऊपर तक जुड़ी होने के दावे किए जा रहे हैं। चर्चाओं के बाजार में महाप्रबंधक बी.के. जेना का नाम भी उछल रहा है, जिनके नाम पर 8 रुपये प्रति टन का अतिरिक्त नजराना वसूला जा रहा है।

बूम बैरियर से लेकर कांटा घर तक डकैती

रामपुर मेगा प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि एक ट्रेलर को बाहर निकालने के लिए चालक और मालिक को अपनी खाल खिंचवानी पड़ती है। वसूली का यह 'पिरामिड' नीचे से ऊपर तक कुछ इस तरह सजाया गया है।

डंपर ऑपरेटरः 300 रुपये प्रति गाड़ी की अवैध मांग।

कांटा घरः वजन कराने के बदले 50 रुपये का 'चढ़ावा'। गेट पास और बूम बैरियरः 20-20 रुपये की छोटी लेकिन अनिवार्य लूट। जूनियर तकनीकी निरीक्षकः इनके हिस्से में 200 से 300 रुपये की मलाई जाती है। लेवलिंग और 'भाईगिरी' मदः यहां भी 200 रुपये की अवैध वसूली का प्रावधान 'स्वघोषित नियम' बन चुका है। कुल मिलाकर एक ट्रेलर पर 1200 से 1500 रुपये का अतिरिक्त बोझ डाल दिया जाता है। यह मुनाफा नहीं, बल्कि उन ट्रांसपोर्टरों के खून-पसीने की कमाई पर डाका है, जो दिन-रात धूल और जोखिम के बीच काम करते हैं। विरोध किया तो 'नंबर पीछे' और लोडिंग बंद! सवाल उठता है कि आखिर ट्रांसपोर्टर यह जुल्म सह क्यों रहे हैं? जवाब है कि प्रबंधन की तानाशाही। सूत्रों के अनुसार, यदि कोई वाहन मालिक इस अवैध वसूली के खिलाफ आवाज उठाता है, तो उसकी गाड़ी का नंबर जानबूझकर पीछे कर दिया जाता है। घंटों लोडिंग रोक दी जाती है और तकनीकी खामियों के नाम पर उसे परेशान किया जाता है। इसी 'ब्लैकमेलिंग' के डर से अधिकतर खरीदार और ट्रांसपोर्टर घुटने टेकने पर मजबूर हैं।

नकद भुगतान वालों की तो शामत!

नकद भुगतान (कैश डीओ) वाले धारकों की स्थिति तो और भी दयनीय है। उनसे सामान्य दरों से 60 से 70 प्रतिशत अधिक रकम वसूली जा रही है। उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में कोयले की भारी माँग का फायदा उठाकर यहां बैठे अधिकारी और उनके गुर्गे चांदी काट रहे हैं। यह सीधे तौर पर कोयला कंपनी के राजस्व को चूना लगाने और व्यक्तिगत तिजोरियाँ भरने का सुनियोजित षड्यंत्र है।

चमकते मुनाफे पर भ्रष्टाचार की कालिख

रामपुर मेगा प्रोजेक्ट वर्तमान में सोहागपुर क्षेत्र का सबसे अधिक राजस्व देने वाला प्रोजेक्ट है। लेकिन क्या कंपनी को मिलने वाला यह राजस्व अधिकारियों के पाप धोने के लिए काफी है? यदि परियोजना मुनाफे में है, तो फिर यह 'अवैध कर' किसके संरक्षण में वसूला जा रहा है? कंपनी मुख्यालय और विजिलेंस विभाग की चुप्पी कई संदेहों को जन्म दे रही है।

इन मदों में होता है वसूली का पूरा खेल

द	कथित राशि	विवरण/टिप्पणी
तेंद्र पांडे के नाम पर	₹35 प्रति टन	
.के. जेना के नाम पर	₹8 प्रति टन	
पर ऑपरेटर मद	₹300 प्रति गाड़ी	
ांटा घर शुल्क	₹50	
ट पास	₹20	
म बैरियर	₹20	
नियर तकनीकी निरीक्षक स्तर	₹200-₹300	
वलिंग / भाईगिरी मद	₹200	अवैध वसूली

कुल अतिरिक्त बोझः ₹1200-₹1500 प्रति ट्रेलर

जांच या लीपापोती

अब गेंद एसईसीएल मुख्यालय और उच्च प्रबंधन के पाले में है। क्या जितेंद्र पांडे और महाप्रबंधक जेना के नाम पर चल रहे इस वसूली तंत्र की निष्पक्ष जांच होगी या फिर कागजी खानापूर्ति कर इस काली कमाई के खेल को जारी रखा जाएगा। क्षेत्र की जनता और ईमानदार ट्रांसपोर्टर अब आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। यदि समय रहते इन 'सफेदपोश लुटेरों' पर लगाम नहीं कसी गई, तो रामपुर मेगा प्रोजेक्ट विकास की नहीं, बल्कि विनाश और भ्रष्टाचार की गाथा के रूप में याद किया जाएगा।

खाकी लाचार, अपराधी बेखौफ

जयसिंहनगर में दिनदहाड़े 4 लाख की लूट

शहडोल। जिले के जयसिंहनगर में कानून व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। पुलिस की सुस्ती और अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस ने आम जनमानस सहित व्यापारी वर्ग में दहशत और आक्रोश भर दिया है। ताज़ा मामला 24 अप्रैल का है, जहां स्टेट बैंक से पैसे निकालकर जा रहे एक व्यक्ति की कार का कांच तोडक़र उचक्कों ने दिनदहाड़े 4 लाख रुपये पर हाथ साफ कर दिया। घटना के 5 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं, जिससे नाराज व्यापारियों ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

पलक झपकते ही उड़ा ले गए नकदी

पीड़ित अशोक गुप्ता निवासी कौआसरई ने बताया कि उन्होंने बैंक से 4 लाख रुपये (500 के 8 बंडल) निकालकर अपनी कार की डिक्की में रखे थे। जयसिंहनगर बस स्टैंड के पास जैसे ही वे सामान लेने रुके, घात लगाए बैठे दो बदमाशों ने कार का शीशा तोड़ा और रुपयों से भरा बैग लेकर चंपत हो गए। सीसीटीवी फुटेज में संदिग्धों के चेहरे कैद होने के बावजूद पुलिस अब तक किसी भी नतीजे पर नहीं पहुँच सकी है।

पुलिस का बहानाः बल की कमी है

हैरानी की बात यह है कि जब जिला व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता और जयसिंहनगर अध्यक्ष बृजेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल थाना प्रभारी से मिला, तो पुलिस अपनी नाकामी छुपाने के लिए बल की कमी का रोना रोने लगी। व्यापारियों का आरोप है कि पुलिस का यह रवैया अपराधियों को खुला संरक्षण देने जैसा है।

30 अप्रैल तक का अल्टीमेटम

व्यापारी संघ ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि 30 अप्रैल तक लुटेरों की गिरफ्तारी और राशि की बरामदगी नहीं हुई, तो पूरे जिले के व्यापारी सडक़ों पर उतरेंगे और उग्र धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

इन दिग्गजों ने भरी हुंकार

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री कचेर, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनारायण पाण्डेय, सांसद प्रतिनिधि सातिका प्रसाद तिवारी और ज्ञान चंद्र गुप्ता सहित दर्जनों व्यापारी शामिल रहे। व्यापारी संघ ने कहा कि अगर पुलिस अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सकती, तो पद छोड़ दे। व्यापारियों की मेहनत की कमाई इस तरह लुटने नहीं दी जाएगी।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधारेंगे लोहानी

जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी में हुए नियुक्त, शिक्षकों ने किया स्वागत

शहडोल। जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को नई ऊंचाई देने की दिशा में लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल ने एक बड़ा कदम उठाया है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी संतोष लोहानी को पीएम श्री विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय और मॉडल स्कूल जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं की गुणवत्ता सुधार हेतु गठित जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से जिले के शिक्षा जगत में हर्ष की लहर है। इस गरिमामयी उपलब्धि पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष लाल जी तिवारी, उत्कृष्ट विद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. मनोज श्रीवास्तव एवं कैलाश चंद्र जोशी ने श्री लोहानी के निवास पहुंचकर उनका आत्मीय स्वागत किया। उपस्थित पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि श्री लोहानी का तकनीकी ज्ञान (इंजीनियरिंग अनुभव) और स्वच्छ छवि स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी। श्री लाल जी तिवारी ने इसे श्री लोहानी की कार्यक्षमता और समर्पण का प्रतिफल बताया। इस अवसर पर उनके पूज्य पिता बी.के. लोहानी भी उपस्थित रहे।

शहडोल में जल-छलः 43 डिग्री की आग में झुलसती जनता, शोपीस बनीं करोड़ों की टंकियां

शहडोल। आसमान से बरसती आग और 43 डिग्री के जानलेवा तापमान के बीच जिले का प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। बुढ़ार जनपद पंचायत के ग्राम मलया-2 में सरकार की नल-जल योजना भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट चढक़र पूरी तरह दम तोड़ चुकी है। यहां की जनता के लिए हर घर नल का नारा एक क्रूर मजाक बनकर रह गया है, जबकि करोड़ों की लागत से खड़ी की गई पानी की टंकियां सफेद हाथी की तरह सिस्टम की नाकामी को चिढ़ा रही हैं।

2 किलोमीटर का सफर-ए-दर्द

भीषण गर्मी में जब पंखे और कूलर भी जवाब दे रहे हैं, तब मलया-2 की महिलाएं और बुजुर्ग सिर पर भारी बर्तन लादकर तपती दोपहर में दो किलोमीटर का पैदल सफर तय करने को मजबूर हैं। बूंद-भर पानी के लिए यह जद्दोजहद सिर्फ प्यास बुझाने की नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई बन गई है। गाँव में पाइपलाइन का काम अधूरा है और जहाँ बिछी भी है, वहां नलों से पानी के बजाय सिर्फ हवा निकल रही है।

ठेकेदार की मनमानी और अफसरों की सेटिंग

ग्रामीणों का आरोप है कि नल-जल योजना के नाम पर जमकर बंदरबांट की गई है। ठेकेदार ने घटिया सामग्री का उपयोग किया और काम को बीच में ही अधर में लटका दिया। जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार इस बदहाली से अवगत कराया गया, लेकिन ऐसा लगता है कि अफसरों और ठेकेदारों के बीच की कमीशन-सेटिंग ने जनता की प्यास से ज्यादा अपनी जेबों को प्राथमिकता दी है। आखिर किसके संरक्षण में ठेकेदार ने काम अधूरा छोड़ा? क्यों अधूरी पाइपलाइन पर भुगतान हो गया? ये ऐसे सवाल हैं जो जिला प्रशासन के चेहरे पर कालिख पोत रहे हैं।

दावे हवाई, हकीकत रुलाई

एक ओर सरकार विज्ञापनों में दावा करती है कि हर गांव की प्यास बुझ चुकी है, वहीं मलया-2 की हकीकत इन दावों की धज्जियाँ उड़ा रही है। यहां योजना धरातल पर नहीं, बल्कि केवल फाइलों में पूरी नजर आती है। भीषण गर्मी के इस मौसम में पानी की किल्लत ने ग्रामीणों के सब्र का

बांध तोड़ दिया है। गाँव में अब आक्रोश की आग धधक रही है, जो कभी भी जन-आंदोलन का रूप ले सकती है।

कब खत्म होगा यह सूखा सिस्टम

यह केवल एक गाँव की कहानी नहीं, बल्कि शहडोल के उन तमाम इलाकों का सच है जहाँ विकास के नाम पर केवल पत्थर गाड़े गए हैं। यदि जल्द ही मलया-2 की जलापूर्ति बहाल नहीं की गई और दोषी ठेकेदार व लापरवाह अधिकारियों पर गाज नहीं गिरी, तो ग्रामीण सडक़ों पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

इनका कहना है...

मामला आपके माध्यम से संज्ञान में आया है इसको दिखवाते है।

राजीव लघाटे
सीईओ
जनपद पंचायत बुढ़ार

खबर संक्षेप

अवैध लकडी का परिवहन करते हुए ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

उमरिया। सहायक संचालक पनपथा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि विगत 26 अप्रैल को रात्रि कालीन गस्ती के दौरान उपसंचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया की उपस्थिति एवं उचित मार्गदर्शन मे पनपथा बफर रेंज अंतर्गत सहायक संचालक पनपथा , परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा बफर एवं स्टाफ द्वारा जमुनिया बीट के वन क्षेत्र के अंतर्गत आम एवं मिश्रित प्रजाति की अवैध लकड़ी परिवहन करते हुए एक नग ट्रैक्टर ट्रॉली को रोक कर पूछ ताछ करने के दौरान ट्रैक्टर चालक के द्वारा कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर वाहन की जप्ती की कार्यवाही कर वाहन को बीट प्रभारी बराघाटी के सुपुर्द में देकर छतवा ग्राम के फॉरेस्ट कैंपस में रखा गया। वाहन की अनुमानित कीमत 4 (चार) लाख रुपए है । उन्होने कहा कि अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सतत रूप से कार्यवाही जारी रहेगी।

पुलिस की तत्परता से कपड़ा व्यापारी को मिला न्याय, थाना प्रभारी का जताया आभार

कोतमा। नगर के कपड़ा व्यावसाई विपुल गोयनका के लाखों रुपए के माल को सुरक्षित वापस दिलाने में कोतमा पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के हस्तक्षेप और त्वरित कार्यवाही के चलते व्यापारी का भारी नुकसान होने से बच गया, जिसके बाद व्यापारी ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। विपुल गोयनका, जो कोतमा के थोक कपड़ा व्यवसाई हैं, पिछले कई वर्षों से दिल्ली, सूरत, लुधियाना और कटनी जैसे बड़े शहरों से गर्म और फैंसी कपड़ों का आयात करते आ रहे हैं। व्यापारिक सुगमता के लिए वे स्थानीय ट्रांसपोर्टर के बड़े गोदाम का उपयोग करते थे। ट्रांसपोर्टर की सहमति से लगभग 10 से 12 लाख रुपए के कपड़ों के बंडल गोदाम में रखे हुए थे, जिन्हें जरूरत के अनुसार समय-समय पर उठाया जाता था। फिर भी काफी माल रखा हुआ था, लेकिन इसी बीच में ट्रांसपोर्टर ने व्यापारी को बिना कोई सूचना दिए, उनके कीमती कपड़ों के बंडलों को एक ट्रक में भरकर कही और भेज दिया। अचानक गोदाम से माल गायब होने पर, कपड़ा व्यापारी काफी परेशान हो उठा, शुरुआती दौर में ट्रांसपोर्टर ने साफ साफ इंकार कर दिया, कि हमारे यहां कोई माल नहीं रखा था। माल के गायब होने की भनक लगते ही व्यापारी विपुल गोयनका ने इसकी शिकायत थाने में कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने तत्काल जांच शुरू की। शिकायत के सभी पहलुओं और कानूनी बिंदुओं का सूक्ष्मता से निरीक्षण करते हुए पुलिस ने ट्रांसपोर्टर के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया जिसमें ट्रांसपोर्टर ने सात लाख रुपए मूल्य का माल स्वीकार किया और व्यापारी को उनका माल की कीमत दिलाने में मदद की। न्याय मिलने के बाद कपड़ा व्यापारी विपुल गोयनका ने खुशी जाहिर करते हुए कहा अगर थाना प्रभारी समय पर हस्तक्षेप नहीं करते, तो मेरा लाखों रुपए का नुकसान हो जाता। पुलिस ने पूरी निष्पक्षता और तत्परता से मामले की जांच की और मुझे न्याय दिलाया। इसके लिए मैं और मेरा परिवार कोतमा पुलिस का सहहृदय धन्यवाद करते हैं। इस कार्यवाही की चर्चा पूरे नगर में है और व्यापारियों ने पुलिस की इस कार्यप्रणाली की सराहना की है।

बुढ़ार पुलिस का सूचना तंत्र फेल, इतने बड़े खेल की भनक तक नहीं लगी

खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई, दो स्थानों पर अवैध कोयला खनन बंद

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन, खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य के मार्गदर्शन एवं खनि निरीक्षक अभिषेक पटले के नेतृत्व में ग्राम चंगेरा-घोरा क्षेत्र में अवैध कोयला खनन पर बड़ी कार्रवाई की गई। दो स्थानों पर चल रहे अवैध उत्खनन बंद कर भारी मात्रा में कोयला जब्त किया गया। कार्रवाई ने बुढार पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंगेरा-घोरा इलाके में दो स्थानों पर संचालित अवैध कोयला खदानों को बंद कराया। कार्रवाई कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन, खनिज अधिकारी राहुल शांडिल्य के मार्गदर्शन तथा खनि निरीक्षक अभिषेक पटले के नेतृत्व मंय की गई। खनिज विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो क्षेत्र में लंबे समय से दो पुराने स्थानों पर अवैध रूप से कोयला निकाला जाना पाया गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन की मदद से दोनों अवैध खदानों को बंद कराया गया। मौके से लगभग एक ट्रैक्टर-ट्रॉली कोयला भी जब्त किया गया, जिसे बुढार थाना परिसर में सुरक्षित रखवाया गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार इस क्षेत्र से लंबे समय से बोरियों में भरकर कोयला निकाला जाता था और आसपास संचालित ईंट भ_ों तक बड़े पैमाने पर इसकी आपूर्ति की जाती थी। बताया जाता है कि कई पेट्रोल पंपों और अन्य व्यावसायिक स्थलों तक भी यह कोयला पहुंचाया जाता था। इतने बड़े स्तर पर चल रहे इस कारोबार की जानकारी स्थानीय पुलिस को नहीं होना अपने आप में बड़ा सवाल बन गया है। सबसे अहम बात यह है कि बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत चंगेरा-घोरा जलवायु एवं वनांचल क्षेत्रों में लंबे समय से अवैध कोयला खनन की शिकायतें मिलती रही हैं। इसके बावजूद पुलिस की ओर से कभी ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। अब जब खनिज विभाग ने सीधे मौके पर पहुंचकर दो स्थानों पर कार्रवाई कर दी, तो पुलिस के सूचना तंत्र की पोल खुल गई है।

क्षेत्र में चर्चा है कि यदि रेत, कोयला और अन्य खनिजों का अवैध परिवहन लगातार हो रहा था, ट्रैक्टर-ट्रॉलियां दिन-रात चल रही थीं, तो इसकी जानकारी बुढ़ार पुलिस को कैसे नहीं थी? रास्ते कौन से थे, कोयला कहां से निकल रहा था और कहां बेचा जा रहा था, यह सब स्थानीय स्तर पर आसानी से पता लगाया जा सकता था। ऐसे में पुलिस की चुप्पी और निष्क्रियता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। करीब दो माह पूर्व भी बुढार पुलिस ईंट भ_ों की जांच के दौरान कुछ बोरी कोयला मिलने पर भ_ा संचालकों पर कार्रवाई कर सुर्खियों में आई थी। तब छोटी मात्रा में कोयला मिलने पर सख्ती दिखाई गई, लेकिन जिस क्षेत्र से बड़े पैमाने पर कोयला निकलकर भ_ों तक पहुंच रहा था, उस मूल स्रोत तक पुलिस क्यों नहीं पहुंच सकी, यह अब चर्चा का विषय बना हुआ है।

खनिज विभाग की इस कार्रवाई से स्पष्ट हो गया है कि यदि इच्छाशक्ति हो तो अवैध खनन पर अंकुश लगाया जा सकता है। विभाग ने न केवल दो अवैध खदानें बंद कराईं, बल्कि जब्ती की कार्रवाई कर यह संदेश भी दिया कि प्रशासन अब सख्त रुख में है। वहीं दूसरी ओर, बुढार पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गया है। यदि थाना क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर अवैध खनन, परिवहन और बिक्री होती रही और पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी, तो जिम्मेदारी तय होना चाहिए। प्रशासनिक हलकों में भी यह चर्चा है कि आखिर ऐसी स्थिति में जवाबदेही किसकी बनती है। खनिज विभाग की कार्रवाई के बाद अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि अवैध कोयला कारोबार पर स्थायी रोक लगेगी और जिनकी लापरवाही से यह खेल चलता रहा, उन पर भी कार्रवाई होगी।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के दूर दराज से आए 56 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदन को संबंधित विभाग की ओर प्रेषित करते हुए निराकरण करने की बात कही। जनसुनवाई में राम निरंजन व्दिवेदी ग्राम कुडी ने रास्ता खुलवाने, रमेश चर्मकार अमृत, दिनेश,कमलेश ग्राम बडवाही ने नाली निर्माण कराने, नत्थूलाल विश्वकर्मा इंदवार ने नक्शा तरमीम कराने, ग्राम पटपरा के समस्त ग्रामवासियो ने जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना का लाभ दिलाने, राम प्रसाद तहसील मानपुर ने नकल दिलाने, लंबू बैगा ग्राम खोलखम्हरा ने विकलांगता पेंशन दिलाने, राज कुमार कोल ग्राम तखतपुर ने पीएम आवास दिलाने, संदीप पटेल, शहीद मो0 मनीष पटेल ने माह दिसंबर 2025 से वेतन नही मिलने,गोविंद प्रसाद विश्वोकर्मा चंदवार ने आवागमन हेतु रोड निर्माण कराने का आवेदन दिया गया । जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध मदिरा विक्रय एवं धारण के विरूद्ध कि गई कार्यवाही

उमरिया। अवैध शराब के विरूद्ध सतत अभियान अभियान चलाए जाने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय द्वारा आबकारी विभाग को दिए गए है। निर्देश के परिपालन में जिला आबकारी अधिकारी उमरिया सावित्री भगत के मार्गदर्शन में मदिरा के अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान अमरपुर हाइवे स्थित भाई ढाबा के संचालक जहीर खान पिता रसीद खान के कब्जें से देशी विदेशी मदिरा, रामखेलावन जायसवाल बचहा, ग्राम सेमरा में नंदीलाल एवं संतराम, बकेली उमरिया में आरोपिया रामलली चौधरी एवं रागिनी रजक, सिगुड़ी में सत्येन्द्र पटेल परासी से लल्लू सिंह तथा ग्राम दमोय में आरोपिया नीता प्रजापति एवं प्रेम बाई के कब्जे से अवैध मदिरा जप्त की गयी । इसी प्रकार वृत्त उमरिया अन्तर्गत सिंह ढ़ाबा संचालक आकाश कुकरेजा, गगन ढाबा विपिन गुप्ता, कौशल यादव के कब्जे से अवैध मदिरा जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) एवं 36 क के तहत कुल 18 प्रकरण पंजीबद्ध कर 210 पाव देशी विदेशी मदिरा जप्त की गयी जिसका अनुमानित मूल्य 16,000 रूपयें है। कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी के नेतृत्व में की गई जिस पर श्रीमति कविता सिंह, राजपति प्रजापति एवं नगर सैनिक जीवनलाल का विशेष योगदान रहा। अवैध मदिरा परिवहन, संग्रहण. एंव चौर्यनयन पर निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

बाड़ीखार हाई स्कूल में साइकिल वितरण समारोह संपन्न

बदरा/जमुना। ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा संचालित साइकिल वितरण योजना के तहत शासकीय हाई स्कूल बाड़ीखार में साइकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं, जिससे विद्यालय परिसर उत्साह, उमंग और खुशियों से भर उठा। साइकिल पाकर विद्यार्थियों के चेहरों पर मुस्कान साफ झलक रही थी। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य सागर सिंह मरावी, भारतीय किसान संघ के संभागीय अध्यक्ष एलपी बबलू पंडित, जनपद अध्यक्ष श्रीमती धनमती सिंह मार्को, समस्त शिक्षकगण, ग्रामीण पंच, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को साइकिलें वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य सागर सिंह मरावी ने कहा कि शासन की यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हो रही है। दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले छात्र-छात्राओं को अब विद्यालय पहुंचने में आसानी होगी, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई के प्रति रुचि भी मजबूत होगी। भारतीय किसान संघ के संभागीय अध्यक्ष एलपी बबलू पंडित ने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के जीवन का सबसे बड़ा आधार है।

अवैध बिजली कटौती के विरोध में शिवसेना ने खोला मोर्चा

सहायक उपयंत्री कोतमा को सौंपा ज्ञापन

भालूमाड़ा। शिवसेना शहडोल संभाग अध्यक्ष पवन पटेल के नेतृत्व में नगर प्रमुख बरकत कुरैशी ने कोतमा सहायक उपयंत्री को ज्ञापन सौंप मांग की है कि जमुना-कोतमा क्षेत्र में विद्युत विभाग द्वारा अत्यंत अव्यवहारिक तरीके से बिजली कटौती की जा रही है, जिससे समस्त जनता परेशान है। बीती रात थोड़ी आंधी और बारिश होने से हर 5 मिनट में बिजली कट रही थी मेंटेनेंस के नाम पर हफ्ते भर भीषण गर्मी में सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक बिजली काटी जाती थी पर इस पर जनता ने संतोष किया कि हफ्ते भर की बात है आने वाले समय में बिजली कटौती ना हो इसके लिए मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा पर यहां तो जनता को साफ तौर पर ठगा गया है। मेंटेनेंस का कार्य पूर्ण होने के बाद भी कभी भी किसी भी समय बिजली काट दी जाती बिजली कटने के बाद कब बिजली आएगी इसका कोई ठिकाना नहीं। लहसुई, गोविंदा, टूटे हुए बिजली लाइन या किसी एक स्थान पर छोटा फॉल्ट आते ही नगर पालिका के अंतर्गत जमुना, भालूमाड़ा, कोतमा नगर के गोविंदा, 11 नंबर और कदम टोला जैसे पूरे क्षेत्र की बिजली काट दी जाती है। मूरधवा के जंगल, दिनेश सिंह के खेत जैसे क्षेत्रों में बिजली लाइन पर पेड़ की पत्ती/डाली गिर जाने पर भी पूरे इलाके की बिजली घंटों के लिए बंद कर दी जाती है। किसी एक फीडर या एक लोकल लाइन में फॉल्ट होने पर पूरे क्षेत्र की आपूर्ति रोक दी जाती है, जबकि तकनीकी रूप से केवल प्रभावित सेक्शन को ही बंद किया जाना चाहिए। इस प्रकार की अंधाधुंध कटौती से व्यापार, पानी, पढ़ाई, चिकित्सा सब ठप हो जाते हैं। यह 'विद्युत अधिनियम 2003' एवं 'विद्युत उपभोक्ता अधिकार नियम 2020' का उल्लंघन है। जिस लाइन/फीडर में फॉल्ट हो, केवल उसी क्षेत्र की बिजली बंद की जाए। पूरे जमुना-भालूमाड़ा-कोतमा की आपूर्ति बाधित न की जाए। मुरधवा जंगल व खेतों के पास से गुजरने वाली लाइनों की समय पर छटाई कर पेड़-पत्तों से होने वाले फॉल्ट को रोका जाए। मेंटेनेंस या फॉल्ट के समय प्रभावित क्षेत्र की सूचना पहले दी जाए एवं शेष क्षेत्रों में निर्बाध आपूर्ति चालू रखी जाए। एक फॉल्ट पर पूरे शहर की लाइट काटने वाले दोषी कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाए। 3 दिन के अंदर इस अव्यवहारिक कटौती प्रक्रिया को बंद कर तकनीकी सुधार किया जाए अन्यथा शिवसेना कोतमा बिजली ऑफिस के बाहर धरना देने के लिए बाध्य होगी।

अमिता जैन का लोगों द्वारा बधाई एवं किया जा रहा स्वागत

कोतमा। सिविल जज में सफलता हासिल कर घर पहुंचने पर अमिता जैन का लोगों द्वारा बधाई एवं स्वागत किया जा रहा हैं। सोमवार को नगर निरीक्षक रत्नांबर शुक्ल एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने घर पहुंच बधाई दी है। इस अवसर पर अनिल जैन, अजित जैन, रमेश अग्रवाल, अजय ताम्रकार, संदीप जैन, शैलेश जैन सहित परिवार उपस्थित रहा। अमिता जैन ने दूसरे ही प्रयास में 6वीं रैंक हासिल कर परिवार एवं नगर का नाम रोशन किया है। नगर से पहली महिला सिविल जज बनने का गौरव हासिल करने वाली अमिता जैन ने बताया कि शुरुआती शिक्षा नगर के शिशु भारती, संत जोसफ कोतमा एवं बिजुरी में हुई। वर्ष 2013 से 17 तक जबलपुर प्रतिभास्थली में 7वी से 12बी की पढ़ाई किया। इस दौरान 10 वीं एवं 12 वी बोर्ड में भी अच्छे परिणाम रहे। उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद में रहकर 5 साल तक लॉ की पढ़ाई पूरी की। 2025-26 के गुजरात सिविल जज की परीक्षा में 6वी रैंक हासिल किया। सफलता का श्रेय बड़ी बहन आकांक्षा जैन चार्टड अकाउंट, माता-पिता परिवार सहित शिक्षकों को बताया है। कठिन परिश्रम, लगन और निरंतर अध्ययन से यह मुकाम हासिल हो सका। नगर के युवाओं एवं न्याय के क्षेत्र में जाने वाली छात्राओं के सामने एक प्रेरणा का कार्य है।

अचानक मौसम के करवट से भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से परेशान लोगों को मिली राहत

कोतमा। सोमवार की शाम अचानक मौसम ने करवट ली, जिससे भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली है। तेज धूल भरी आंधी-तूफान के साथ हल्की से मध्यम बारिश लगभग आधे घंटे तक हुई इस बदलाव के बाद तापमान में गिरावट आई है और मौसम सुहावना हो गया है। शाम होते ही तेज हवाएं चलने लगीं और धूल भरी आंधी आई। भीषण गर्मी और गर्म हवाओं (लू) से लोगों को राहत मिली है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी बारिश की संभावना जताई है। यह अचानक मौसम परिवर्तन पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण हुआ है। सोमवार की रात्रि आठ बजे से धूल भरी आंधी चलने के कारण नगर की बिजली सप्लाई बाधित हो गया करीब दो घंटे बाद बिजली सप्लाई बहाल की गई लेकिन पूरी रात बिजली की आंख मिचौली से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता आशुतोष चंद्र ने बताया कि सोमवार की रात्रि अचानक आए मौसम में बदलाव के कारण तेज आंधी तूफान चलने के कारण विद्युत की समस्या नगर में उत्पन्न हो गई फॉल्ट पता लगाने पर सामने आया कि लहसुई गांव के पास बिजली के तार मे पक्षी चिपक गया था इसी तरह मुक्ति धाम के पास बिजली के तार मे पेड की डगाल टूटकर गिर गई थी जिसके कारण बड़ी मशक्कत के बाद फॉल्ट मिल पाया और सुधार कर किया गया जिसके कारण सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात 3 30 बजे तक नगर की विद्युत सप्लाई पूरी तरह बहाल कर दी गई थी। वर्तमान में गर्मी का मौसम होने के कारण लोगों के घरों का लोड भी बड़ा है जिसके कारण ट्रांसफार्मर में लगे केबल एवं विद्युत पोलों में लगे केवल में समस्या आने के कारण बार-बार किपिंग का सामना करना पड़ता है।

गैस रिफिलिंग की समस्या से जूझ रहे उपभोक्ता, एक माह से परेशान, होम डिलीवरी बंद, गोदामों में अफरा-तफरी

धनपुरी। कोयलांचल क्षेत्र में एचपी गैस उपभोक्ता पिछले एक माह से घरेलू गैस की रिफिलिंग को लेकर परेशान हैं। पहले जहां गैस सिलेंडर घर-घर पहुंचाए जाते थे, वहीं अब उपभोक्ताओं को खुद गैस गोदामों और एचपी गैस कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। हालत यह है कि सुबह से ही उपभोक्ता गैस गोदाम के बाहर कतारों में खड़े नजर आते हैं, जैसे ही गैस की गाड़ी पहुंचती है, अफरा-तफरी मच जाती है। धक्का-मुक्की के बीच किसी को गैस सिलेंडर मिलता है, तो किसी को खाली हाथ लौटना पड़ता है।
स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि "एक माह से घर में गैस नहीं है, खाना बनाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमारे पास गैस के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।" कई उपभोक्ताओं ने यह भी बताया कि गैस की किल्लत के चलते कुछ लोग पीछे के दरवाजे से अधिक दामों पर सिलेंडर लेने को मजबूर हैं।

3 किलोमीटर दूर जाना पड़ रहा है सिलेंडर लेने

धनपुरी और आसपास के क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को गैस रिफिलिंग के लिए लगभग 3 किलोमीटर दूर गोदाम तक जाना पड़ता है। वहां भी कई घंटे इंतजार करने के बाद ही सिलेंडर मिल पाता है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि रोज़मर्रा के कामकाज छोड़कर केवल गैस लेने के लिए पूरा दिन बर्बाद करना पड़ रहा है।

ऑफिस फोन पर नहीं मिल रहा जवाब

जब इस संबंध में एचपी गैस कार्यालय बुढ़ार से जानकारी लेने की कोशिश की गई तो वहां का फोन रिसीव नहीं हुआ। उपभोक्ताओं का कहना है कि न तो कोई स्पष्ट जानकारी दी जा रही है, न ही होम डिलीवरी शुरू करने की कोई ठोस पहल की जा रही है।

क्यों बंद हुई होम डिलीवरी?

स्थानीय स्तर पर बताया जा रहा है कि सप्लाई में कमी और प्रशासनिक लापरवाही के चलते होम डिलीवरी की सुविधा ठप पड़ी है। पहले जहां गैस एजेंसी कर्मचारियों द्वारा प्रत्येक घर तक सिलेंडर पहुंचाए जाते थे, अब उपभोक्ताओं को खुद गोदाम पहुंचकर सिलेंडर लेना पड़ रहा है।

लोगों में बढ़ रहा आक्रोश

लगातार परेशानियों से उपभोक्ताओं में नाराजगी बढ़ रही है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही होम डिलीवरी व्यवस्था बहाल नहीं की गई, तो वे गैस एजेंसी कार्यालय का घेराव करेंगे।
"हम एक माह से लगातार ऑफिस के चक्कर काट रहे हैं। गैस आती है, तो इतनी भीड़ लग जाती है कि महिलाओं और बुजुर्गों को लाइन में खड़ा रहना मुश्किल हो जाता है। प्रशासन को इस पर तुरंत ध्यान देना चाहिए।" — स्थानीय उपभोक्ता
जनता की मांग है कि प्रशासन और गैस एजेंसी प्रबंधन तत्काल पहल करें ताकि घरेलू गैस की नियमित आपूर्ति और होम डिलीवरी व्यवस्था दोबारा शुरू हो सके।

खबर संक्षेप

अवैध लकडी का परिवहन करते हुए ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

उमरिया। सहायक संचालक पनपथा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने बताया कि विगत 26 अप्रैल को रात्रि कालीन गस्ती के दौरान उपसंचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया की उपस्थिति एवं उचित मार्गदर्शन मे पनपथा बफर रेंज अंतर्गत सहायक संचालक पनपथा , परिक्षेत्र अधिकारी पनपथा बफर एवं स्टाफ द्वारा जमुनिया बीट के वन क्षेत्र के अंतर्गत आम एवं मिश्रित प्रजाति की अवैध लकड़ी परिवहन करते हुए एक नग ट्रैक्टर ट्रॉली को रोक कर पूछ ताछ करने के दौरान ट्रैक्टर चालक के द्वारा कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर वाहन की जप्ती की कार्यवाही कर वाहन को बीट प्रभारी बराघाटी के सुपुर्द में देकर छतवा ग्राम के फॉरेस्ट कैंपस में रखा गया। वाहन की अनुमानित कीमत 4 (चार) लाख रुपए है । उन्होने कहा कि अवैध गतिविधियों के विरुद्ध सतत रूप से कार्यवाही जारी रहेगी।

पुलिस की तत्परता से कपड़ा व्यापारी को मिला न्याय, थाना प्रभारी का जताया आभार

कोतमा। नगर के कपड़ा व्यावसाई विपुल गोयनका के लाखों रुपए के माल को सुरक्षित वापस दिलाने में कोतमा पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के हस्तक्षेप और त्वरित कार्यवाही के चलते व्यापारी का भारी नुकसान होने से बच गया, जिसके बाद व्यापारी ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। विपुल गोयनका, जो कोतमा के थोक कपड़ा व्यवसाई हैं, पिछले कई वर्षों से दिल्ली, सूरत, लुधियाना और कटनी जैसे बड़े शहरों से गर्म और फैंसी कपड़ों का आयात करते आ रहे हैं। व्यापारिक सुगमता के लिए वे स्थानीय ट्रांसपोर्टर के बड़े गोदाम का उपयोग करते थे। ट्रांसपोर्टर की सहमति से लगभग 10 से 12 लाख रुपए के कपड़ों के बंडल गोदाम में रखे हुए थे, जिन्हें जरूरत के अनुसार समय-समय पर उठाया जाता था। फिर भी काफी माल रखा हुआ था, लेकिन इसी बीच में ट्रांसपोर्टर ने व्यापारी को बिना कोई सूचना दिए, उनके कीमती कपड़ों के बंडलों को एक ट्रक में भरकर कही और भेज दिया। अचानक गोदाम से माल गायब होने पर, कपड़ा व्यापारी काफी परेशान हो उठा, शुरुआती दौर में ट्रांसपोर्टर ने साफ साफ इंकार कर दिया, कि हमारे यहां कोई माल नहीं रखा था। माल के गायब होने की भनक लगते ही व्यापारी विपुल गोयनका ने इसकी शिकायत थाने में कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने तत्काल जांच शुरू की। शिकायत के सभी पहलुओं और कानूनी बिंदुओं का सूक्ष्मता से निरीक्षण करते हुए पुलिस ने ट्रांसपोर्टर के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया जिसमें ट्रांसपोर्टर ने सात लाख रुपए मूल्य का माल स्वीकार किया और व्यापारी को उनका माल की कीमत दिलाने में मदद की। न्याय मिलने के बाद कपड़ा व्यापारी विपुल गोयनका ने खुशी जाहिर करते हुए कहा अगर थाना प्रभारी समय पर हस्तक्षेप नहीं करते, तो मेरा लाखों रुपए का नुकसान हो जाता। पुलिस ने पूरी निष्पक्षता और तत्परता से मामले की जांच की और मुझे न्याय दिलाया। इसके लिए मैं और मेरा परिवार कोतमा पुलिस का सहहृदय धन्यवाद करते हैं। इस कार्यवाही की चर्चा पूरे नगर में है और व्यापारियों ने पुलिस की इस कार्यप्रणाली की सराहना की है।

वार्ड स्तर पर फीडबैक लेने चलाया अभियान

कटनी। सुचारू सफाई व्यवस्था हेतु निगम प्रशासन के कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से नगर के विभिन्न वार्डों के भवनों एवं दुकानों से डोर टू कचरे का संग्रहण कार्य किया गया। इस दौरान नागरिकों को सूखा एवं गीला कचरा दो अलग- अलग डस्टबिन में रखने तथा निगम के कचरा संग्रहण वाहनों में अलग -अलग ही देने की अपील की गई। स्वच्छता सर्वेक्षण के मद्देनजर वार्ड स्तर पर फीडबैक अभियान चलाया जा रहा है।

कलेक्टर कि अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय कि अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्टर सभागार में संपन्न हुई। बैठक में ए एन सी पंजीयन, प्रथम तिमाही मे ए एन सी पंजीयन, कुल प्रसव, एचपी वैक्सीनेशन, टीकाकरण, परिवार कल्याण कार्यक्रम, अंधत्व निवारण कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, बाल मृत्यु समीक्षा का प्रतिशत, कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, पोशण पुर्नवास केंद्र मे भर्ती किए गए बच्चो की संख्या, सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम स्क्रीनिंग एवं उपचार, विकास कार्यो की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । बैठक मे बताया गया कि ए एन सी पंजीयन के तहत 25401 मे से 13748 पंजीयन किए जा चुके हैं । प्रथम तिमाही मे ए एन सी पंजीयन के तहत 13567 के तहत 11484 पंजीयन किए जा चुके है। एचपीव्ही वैक्सीनेशन अभियान के तहत 7185 मे से 6789 बच्चियो का टीकाकरण किया जा चुका है। टीकारण के कार्य में 20306 मे से 17094 का टीकाकरण किया जा चुका है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में लक्ष्य से अधिक 159863 व्यक्तियो की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

पोषण पुर्नवास केंद्र की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग से कहा है कि पोषण पुर्नवास केंद्र में बेड खाली नही रहे। कुपोषित बच्चों को भर्ती कराकर उन्हे कुपोषण से मुक्त कराए तथा निर्धारित 14 दिनो के फॉलोअप भी करना सुनिश्चित करें तथा उसके बाद भी बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार नही आता है तो उसे पुनः एनआरसी केंद्र में भर्ती कराएं। एनआरसी मे बेड खाली पाए जाने पर सख्य कार्यवाही की जाएगी।

हाथों मे मेंहदी लगाकर दिया जल संरक्षण का संदेश

उमरिया। प्रदेश सरकार के आव्हान पर उमरिया जिले में भी कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिले में जल संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत एक अभिनव पहल देखने को मिली, जहां महिलाओं ने अपने हाथों में मेहंदी रचाकर जल बचाने का संदेश दिया। इस अनूठी गतिविधि के माध्यम से लोगों को पानी के महत्व और उसके संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम जिला समन्वयक जन अभियान परिषद रवीन्द्र शुक्ला के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।
कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत धनवाही की महिलाओ ने मेहंदी के जरिए जल है तो कल है, जल ही जीवन है, जल गंगा संवर्धन अभियान, जल बचाओ, जीवन बचाओ, जैसे संदेश अपने हाथों पर उकेरे। इस रचनात्मक पहल ने आमजन का ध्यान आकर्षित किया और जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश प्रसारित किया।
परामर्शदाता जय भारती साहू ने कार्यक्रम के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना और समाज में पानी के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। इस दौरान महिलाओ को जल को संरक्षित करने का संकल्प भी दिलाया गया। उन्होने कहा कि जल को व्यर्थ मे नही बहाएं। इस अवसर पर सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राओं सहित ग्रामीण की महिलाएं उपस्थित रही।

पिकअप चालक से लूटपाट करने वाले दो गुर्गे दबोचे, एक अब भी फरार

उमरिया। जिले के इंदवार थाना अंतर्गत सक्रिय लोनी गैंग के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब वे सोते हुए लोगों को भी अपना निशाना बनाने से नहीं चूक रहे। हालांकि, उमरिया पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गैंग के दो शातिर सदस्यों को चंद घंटों के भीतर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है, जबकि इनका एक साथी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

आधी रात को मचाया तांडव

वारदात 26 अप्रैल की रात करीब 2:30 बजे की है। कटनी जिले का निवासी फरियादी सुखनंदन कुमार तोमर अपनी पिकअप एमपी 21 जेडसी 1630 में बारात का सामान छोडक़र बरा टोला स्कूल के पास विश्राम कर रहा था। तभी अंधेरे का फायदा उठाकर तीन नकाबपोश बदमाशों ने वाहन को घेर लिया। बदमाशों ने पहले मोबाइल छीनने की कोशिश की और जब ड्राइवर ने हिम्मत दिखाते हुए विरोध किया, तो हमलावरों ने उसकी गर्दन दबोच ली।

जान से मारने की धमकी देकर लूटा पर्स

गैंग के सदस्यों ने फरियादी के साथ मारपीट करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी और उसकी जेब में रखा नकदी समेत पर्स छीनकर रफूचक्कर हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हडक़ंप मच गया। सूचना मिलते ही एसपी विजय भागवानी और एएसपी सीताराम के सख्त निर्देश पर एसडीओपी पी.एस. परस्ते ने टीम उतारकर घेराबंदी शुरू की।

पुलिस की रडार पर आए शातिर अपराधी

विवेचना के दौरान पुलिस ने मुखबिरों के जाल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान बृजेश लोनी और राजीव उर्फ मुंडा लोनी निवासी धनवाही के रूप में की। पुलिसिया पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वे इलाके में मारपीट की घटनाओं के लिए कुख्यात हैं।

एक गुंडा अभी भी है बाहर

इस लूटकांड का तीसरा मास्टरमाइंड रोहित उर्फ गुंडा लोनी उम्र 21 वर्ष पुलिस को चकमा देकर भागने में सफल रहा। इंदवार पुलिस का दावा है कि जल्द ही उसे भी घसीटकर थाने लाया जाएगा। अपराधियों के लिए उमरिया में कोई जगह नहीं है। दो लुटेरे पकड़े जा चुके हैं, तीसरे की तलाश जारी है। बरामदगी की प्रक्रिया चल रही है।

चंद रुपयों की खातिर पति बना हैवान

मंडप की खुशियां मातम में बदलीं

उमरिया। रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात में उमरिया के ग्राम अमडी में एक पति ने अपनी ही पत्नी की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी। विवाद की जड़ महज 500 रुपये का नेग बना, जिसे आरोपी पति ने अपनी ऐयाशी में उड़ा दिया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कातिल पति को दबोच लिया है।

शादी का जश्न और मौत का सन्नाटा

मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम अमडी निवासी शिल्ला बाई बैगा उम्र 40 वर्ष अपने भाई के बेटे की शादी में शामिल होने गई थी। रस्मों के मुताबिक, मंडप उखाडऩे के दौरान शिल्ला और उसके पति नरेश बैगा को 500 रुपये नेग के तौर पर मिले थे। किसे पता था कि यही चंद रुपये शिल्ला की मौत का वारंट बन जाएंगे।

लालच और हैवानियत का तांडव

आरोपी नरेश बैगा ने नेग में मिले उन रुपयों को अपनी मर्जी से खर्च कर डाला। जब 25 अप्रैल की रात पत्नी शिल्ला ने पैसों का हिसाब मांगा, तो नरेश आगबबूला हो गया। घर पहुंचते ही विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। हैवानियत पर उतारू नरेश ने पहले अपनी पत्नी के साथ जमकर मारपीट की और फिर उसका गला तब तक दबाए रखा जब तक उसकी सांसें नहीं थम गईं।

पुलिस की घेराबंदी और खुलासा

26 अप्रैल को मृतिका के भाई दरम्मू बैगा की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने की पुष्टि होते ही पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी एवं एएसपी सीताराम के निर्देशन में टीम ने घेराबंदी की। एसडीओपी पी.एस. परस्ते के नेतृत्व में जब आरोपी पति नरेश से कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने पैसों के विवाद में अपनी पत्नी की हत्या की बात स्वीकार ली है। पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को सलाखों के पीछे भेज दिया है। इस खौफनाक वारदात ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। एक तरफ जहां गांव में शादी की शहनाइयां गूंज रही थीं, वहीं दूसरी तरफ लालच की भेंट चढ़ी एक महिला की अर्थी ने समाज के क्रूर चेहरे को उजागर कर दिया है।

खबर संक्षेप

दुर्गा सप्तशती पाठ का अद्भुत महत्व, आध्यात्मिक साधना से जीवन की बाधाओं का निवारण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। पवित्र तीर्थ नगरी अमरकंटक स्थित श्री कल्याण सेवा आश्रम में विगत लगभग 30 वर्षों से निरंतर दुर्गा सप्तशती का अखंड पाठ जारी है। इस आध्यात्मिक साधना का संचालन पंडित संदीप ज्योतिषी द्वारा श्रद्धा, नियम और विधि-विधान के साथ किया जा रहा है। यह पाठ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है, बल्कि जनमानस के कल्याण और जीवन की समस्याओं के समाधान का भी महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है। धार्मिक ग्रंथ मार्कंडेय पुराण में वर्णित देवी महात्म्य, जिसे दुर्गा सप्तशती के नाम से जाना जाता है, मां दुर्गा के विभिन्न शक्तिरूपों का दिव्य वर्णन प्रस्तुत करता है। मान्यता है कि स्वयं ब्रह्मा जी द्वारा बनाए गए इस दिव्य कवच और पाठ के माध्यम से मनुष्य को जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। दुर्गा सप्तशती को शतचंडी, नवचंडी एवं चंडी पाठ के नाम से भी जाना जाता है, जिसे एक जागृत तंत्र साधना के रूप में अत्यंत प्रभावशाली माना गया है। दुर्गा सप्तशती के कुल 13 अध्याय हैं, जिन्हें तीन प्रमुख चरित्रों में विभाजित किया गया है। प्रथम चरित्र में मधु-कैटभ वध, मध्यम चरित्र में महिषासुर मर्दिनी का वर्णन, तथा उत्तम चरित्र में शुंभ-निशुंभ वध एवं भक्तों को प्राप्त वरदानों का विस्तृत विवरण मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन अध्यायों का नियमित एवं विधिपूर्वक पाठ करने से जीवन की विभिन्न समस्याओं का समाधान संभव है। प्रथम अध्याय मानसिक शांति प्रदान करता है, द्वितीय अध्याय विवादों में विजय दिलाता है, तृतीय अध्याय शत्रु बाधा से मुक्ति देता है, जबकि चतुर्थ अध्याय मां की भक्ति एवं ऊर्जा का संचार करता है। इसी प्रकार पांचवां अध्याय भय और नकारात्मक शक्तियों का नाश करता है, छठा अध्याय तांत्रिक बाधाओं को दूर करता है, सातवां अध्याय विशेष मनोकामनाओं की पूर्ति में सहायक होता है, तथा आठवां अध्याय गुमशुदा प्रियजनों की प्राप्ति में सहायक माना गया है।

अमरकंटक में मरीज अब भी जिला अस्पताल पर निर्भर

सीएचसी बना पर सुविधाएं नदारद

पवित्र नगरी अमरकंटक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का दर्जा मिलने के बाद भी हालात नहीं बदले हैं। करोड़ों की लागत से बने इस केंद्र में जरूरी जांच और उपचार सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। मरीजों को आज भी छोटी-बड़ी जांच के लिए जिला मुख्यालय जाना पड़ रहा है। देरी से मिलने वाली रिपोर्ट और संसाधनों की कमी के कारण मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पा रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/अमरकंटक।

अमरकंटक जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। यहां के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा तो दे दिया गया, लेकिन सुविधाओं का विस्तार कागजों तक ही सीमित नजर आ रहा है। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए इस केंद्र में न तो आधुनिक जांच उपकरण उपलब्ध हैं और न ही पर्याप्त चिकित्सकीय संसाधन। सबसे बड़ी समस्या जांच सुविधाओं की है, जिसके कारण मरीजों को अपने खून सहित अन्य जरूरी परीक्षणों के लिए जिला मुख्यालय पर निर्भर रहना पड़ता है। रिपोर्ट आने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता है, जिससे इलाज में देरी होती है। इसके अलावा एक्स-रे और सोनोग्राफी जैसी आवश्यक सुविधाएं भी यहां उपलब्ध नहीं हैं। ऐसी स्थिति में स्थानीय लोगों के साथ-साथ यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक भी परेशान हैं।

जांच सुविधाओं का अभाव बना बड़ी समस्या

अमरकंटक के सीएचसी में सबसे गंभीर समस्या जांच सुविधाओं की कमी है। मरीजों के खून और अन्य आवश्यक परीक्षणों के लिए सैंपल जिला मुख्यालय भेजे जाते हैं। इससे मरीजों को 2 से 3 दिन तक रिपोर्ट का इंतजार करना पड़ता है। इस दौरान न तो बीमारी का सही पता चल पाता है और न ही सही इलाज शुरू हो पाता है। कई बार मरीजों को अनुमान के आधार पर दवाइयां दी जाती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं।

एक्स-रे और सोनोग्राफी सुविधा का अभाव

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक्स-रे और सोनोग्राफी जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। दुर्घटना या गंभीर स्थिति में तत्काल जांच की जरूरत होती है, लेकिन इन सुविधाओं के अभाव में मरीजों को जिला अस्पताल भेजना पड़ता है। इससे इलाज में देरी होती है और कई बार मरीज की हालत और बिगड़ सकती है।

पर्यटन स्थल पर स्वास्थ्य सेवाएं कमजोर

अमरकंटक एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। ऐसी जगह पर मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। लेकिन वर्तमान स्थिति यह दर्शाती है कि यहां स्वास्थ्य सेवाएं अपेक्षित स्तर से काफी नीचे हैं, जिससे बाहरी लोगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

समय पर इलाज न मिलने से बढ़ रहा जोखिम

रिपोर्ट में देरी और जांच सुविधाओं के अभाव के कारण मरीजों को समय पर सही इलाज नहीं मिल पाता। कई मामलों में यह देरी मरीज की स्थिति को गंभीर बना देती है। आपातकालीन परिस्थितियों में यह समस्या और भी खतरनाक हो जाती है, जब हर मिनट महत्वपूर्ण होता है।

स्थानीयों ने की सुविधाएं बढ़ाने की मांग

स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि सीएचसी में सभी आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही आधुनिक उपकरण और विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति भी जल्द की जाए। ताकि क्षेत्रवासियों और पर्यटकों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

भीषण ग्रीष्म तपन में आस्था की अखंड साधना: महंत योगी नृसिंहनाथ 10 शिष्यों के साथ कर रहे माँ नर्मदा परिक्रमा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मई-जून जैसी भीषण गर्मी, प्रचंड धूप और तेज लू के बीच जब सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है, ऐसे कठिन समय में भी कुछ साधक अपनी अटूट श्रद्धा, अदम्य साहस और आध्यात्मिक संकल्प के साथ तपस्या पथ पर निरंतर अग्रसर हैं। ऐसी ही अद्भुत साधना का जीवंत उदाहरण इन दिनों पवित्र नगरी अमरकंटक में देखने को मिल रहा है, जहाँ त्रिपुंडाचार्य मठ संस्थान, राजुर जिला लातूर (महाराष्ट्र) के परम तपस्वी संत महंत योगी नृसिंहनाथ महाराज, गुरु निरंजन नाथ, अंधा दत्त पीठ राजुर, अपने 10 नर्मदा भक्त शिष्यों के साथ पुण्य सलिला पतित पावनी माँ नर्मदा की कठिन पदयात्रा परिक्रमा कर रहे हैं। मंगलवार, 28 अप्रैल को महंत योगी नृसिंहनाथ महाराज ने नर्मदा उत्तर तट से दक्षिण तट की ओर पावन माई की बगिया में तट परिवर्तन एवं जल परिवर्तन की विधि पूर्ण कर अपनी आगे की नर्मदा परिक्रमा यात्रा प्रारंभ की। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायक एवं भावविभोर कर देने वाला रहा। उल्लेखनीय है कि महंत योगी नृसिंहनाथ महाराज ने दिसंबर माह में ओंकारेश्वर से नर्मदा परिक्रमा की पदयात्रा प्रारंभ की थी। अब तक वे लगभग 2500 किलोमीटर की कठिन परिक्रमा पूर्ण कर चुके हैं तथा लगभग 700 किलोमीटर की यात्रा शेष है, जो शीघ्र ही पूर्ण होने की ओर अग्रसर है। इस परिक्रमा यात्रा की एक विशेष और हृदयस्पर्शी बात यह भी है कि उनके 10 परम भक्त शिष्यों के साथ "राजेश्वर नाथ राजू" नामक एक कुत्ता भी नर्मदा परिक्रमा

कर रहा है। महंत श्री ने बताया कि यह परम भक्त कुत्ता नेमावर से उनके साथ जुड़ा। पूर्व में वह एक चिकित्सक के यहाँ रहता था, किंतु अब उसमें भी भक्ति और शक्ति का अद्भुत जागरण हुआ और वह स्वयं ही नर्मदा परिक्रमा यात्रा में सम्मिलित हो गया। भीषण गर्मी, कठिन पथ और लंबी दूरी के बावजूद वह आगे-पीछे रहकर निरंतर यात्रा कर रहा है। महंत योगी नृसिंहनाथ महाराज ने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि किसी न किसी जन्म के पुण्य और सत्कर्मों का ही परिणाम है कि यह जीव भी माँ नर्मदा की परिक्रमा कर रहा है।

नर्मदा परिक्रमा केवल यात्रा नहीं, यह आत्मशुद्धि, तप, त्याग और ईश्वरीय परीक्षा का मार्ग है। माँ नर्मदा स्वयं साधकों की परीक्षा लेती हैं, किंतु जो साधक अपने लक्ष्य पर अडिग रहता है, वही कृपा का पात्र बनता है। उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि माँ नर्मदा को बचाना हम सबका कर्तव्य है। माँ नर्मदा का जल कल-कल निनाद करता हुआ निर्मल रूप में प्रवाहित होता रहे, इसके लिए गंदगी, प्लास्टिक और पॉलिथीन को नदी में जाने से रोकना होगा। उन्होंने कहा कि पवित्र नगरी अमरकंटक में नर्मदा जी अत्यंत स्वच्छ और दिव्य स्वरूप में हैं, किंतु जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं, प्रदूषण और गंदगी बढ़ती दिखाई देती है, जो अत्यंत चिंताजनक है। महंत श्री ने पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष बल देते हुए कहा कि अमरकंटक का सौंदर्य, शीतलता और आध्यात्मिक ऊर्जा यहाँ की हरियाली, वृक्षों और प्राकृतिक संतुलन से ही बनी हुई है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से नीचे के क्षेत्रों में भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ रहा है। यदि अमरकंटक की पवित्रता, पर्यावरण और सौंदर्य को बनाए रखना है, तो वृक्षों की रक्षा और प्रकृति का संरक्षण अनिवार्य है। भीषण तपन के बीच यह नर्मदा परिक्रमा केवल पदयात्रा नहीं, बल्कि आस्था, तपस्या, पर्यावरण चेतना और माँ नर्मदा के प्रति समर्पण का अद्वितीय संदेश बनकर समाज को प्रेरित कर रही है।